श्री कल्कि बाल वाटिका

मासिक पत्रिका

अंक 9, कुल पृष्ठ 16 एक प्रति का मूल्य 10 रु

कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना– आभार : रश्मि गुप्त

मास सितंबर 2013

कुछ उपलब्धि भरे क्षणों में

आओ बच्चों हम सब मिलकर नाचे गाएं खुशियाँ मनाएं

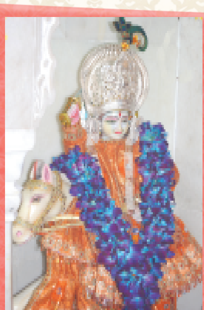

कुबड़ी की तरह 12 वर्षों में गौरी शंकर मंदिर में कल्कि जी की मूर्ति लगने के बाद श्री कल्कि बाल वाटिका के हौसले बुलंद हुए

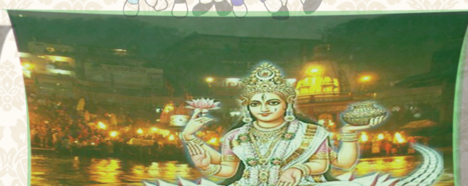

4 वर्ष में गंगा महारानी ने कल्कि जीके असंभव काम संभव कराए और निरंतर छावनियां बनवाईं जिसमें बीते चार महीनों में 15 कल्कि जी की मूर्तियां (छावनिया) बनवाईं

17 वर्षों की तमन्ना से कल्कि म्यूजियम का स्वप्न साकार होने की ओर अग्रसर

सुप्त तीर्थ जागरण अभियान का कमाल 2

विष्णु के अवतारी कल्कि भगवान हैं
यही हमारे राम हैं यही हमारे श्याम हैं

5-12
आभारी हूँ आभारी हूँ आभारी हूँ कल्कि जी
अब आपने मेरे अपनों को भी संभाला
—मामाजी

महालक्ष्मी जी ने महाविष्णु श्री कल्कि को मात्र 11 हफ्तों में कैसे अपने बराबर अग्रोहा धाम में बुलाया

EVENT
कल्कि

दोपहर12:30 से 1 बजे तक
॥ साधना ॥

1-8-15 सितंबर 2013
ईश्वर
शाम 4:30 से 5 बजे तक

कलियुग की छाती पर पैर रखकर स्वप्नानुभव एक सम्पदा के प्रकाशित होते ही मिली दूसरी विजय पताका अब भविष्य दर्शन की ओर

पालनपुर से वाशिंगटन मेल तक 4

2 कुमार अंकित सी.ए. बने

जब कल्कि जी ने छुपी हुई प्रतिभाओ को उभारा

कुमारी नेहा जज बनीं 15

15 *आग बरसाती गर्मी के बाद ए.सी. में हर्षोल्लास मनाते हुए मूर्ति प्रभारी टीम के सदस्य*

देश गुलाम क्यों बनता है? 12

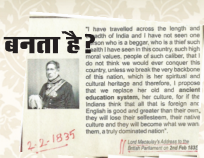
"I have travelled across the length and ...adth of India and I have not seen one ...rson who is a beggar, who is a thief such ...ealth I have seen in this country, such high moral values, people of such caliber, that I do not think we would ever conquer this country, unless we break the very backbone of this nation, which is her spiritual and cultural heritage and therefore, I propose that we replace her old and **ancient education system,** her culture, for if the Indians think that all that is foreign and English is good and greater than their own, they will lose their selfesteem, their native culture and they will become what we want them, a truly dominated nation".

2-2-1835

Lord Macaulay's Address to the British Parliament on 2nd Feb 1835

श्री कल्कि बाल वाटिका कार्यशालाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय	29 सितंबर
पटपड़गंज	29 सितंबर
यमुना विहार	8 सितंबर
पंजाबी बाग	8सितंबर
गगन विहार	1 सितंबर
महावीर नगर	8 सितंबर
चांदनी चौक	22 सितंबर
नोएडा	8 सितंबर
ग्रीन पार्क	8 सितंबर
सिरसा	15 सितंबर

अपने में करोड़ों स्वप्न संजोए श्री कल्कि बाल वाटिकाएं पिछले 23 वर्षों से श्री कल्कि नाम-जाप-पूजा-हवन-नाटिकाओं द्वारा इन्हें पूरा करने में संलग्नकी एक झलक

इसमें सुराख करके आप यह पत्रिका अपनी फाइल में लगा लें यह आपके काम आएगी

उल्लू के लिए सूर्य का महत्व नहीं होने पर भी सूर्य का अस्तित्व तो खत्म नहीं होता

ब्रजघाट पर अमृत परिसर में साढ़े तीन करोड़ रु की संपदा जहाँ सन् 2007 में 15 जुलाई को प्रभु श्री कल्कि जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा हुई थी वहीं श्री रोहित गुप्ता (9899499848) के प्रयास से भगवान श्री कल्कि को चांदी का मुकुट और लाईट की छटा में प्रभु की मुस्कान दर्शनार्थियों का मन मोह रही है।

ब्रजघाट पर अमृत परिसर में मंत्रोच्चारण के मध्य श्री हर्षित बंसल भगवान श्री कल्कि को चांदी का मुकुट धारण कराते हुए।

संभल में सुप्त तीर्थ जागरण अभियान ने कमाल कर दिखाया। सुश्री इंदू बंसल द्वारा गंगा जी पर दो कुंडीय हवन करवाना और ब्रजघाट पर अमृत परिसर में भगवान श्री कल्कि के श्री विग्रह को चांदी के मुकुट और लाईट से सुशोभित करवाना।

सुप्त तीर्थ जागरण अभियान के दौरान वंश गोपाल तीर्थ पर जाने वाले दिन स्वप्नानुभव मे कोली भरकर भगवान शंकर ने मामाजी से कहा —सबको तर्पण करवाओ

मामाजी गंगा जी के तट पर तर्पण विधि बताते हुए

मामाजी देवताओं व पितृों को तर्पण कराते हुए

मामाजी सप्त ऋषियों को स्नान जल तृप्तयामि कराते हुए।

प्रभु श्री कल्कि की कृपा से कुमार अंकित गड़ौदिया (9968154304) को दिलशाद गार्डन में दिनांक 19 अगस्त को सी.ए के पद पर नियुक्त हो गए हैं।

आभार के गुलदस्ते भरते रहें— कल्कि जी से जुड़ने पर उनकी भक्ति करने पर हमें कलियुग द्वारा प्रदान परेशानियों से निकलने के रास्ते कल्कि जी द्वारा प्रदान स्वप्नानुभवों से मिलते हैं। इन परेशानियों से निकलने पर एवं जो-जो वैभवता कल्कि जी ने आपको दीं उसे लिख लें और याद रखें। सुबह से ही एक-एक को याद करके इन गुलदस्तों में भरते रहो। जैसे हे कल्कि जी आपने मुझे ऐसा अच्छा मकान दिया है, मैं आपका आभारी हूँ। व्यवसाय-परिवार-वैभवता आदि आदि। भगवान श्री कल्कि का आभार उनके प्राकटय के प्रचार के कार्य के लिए आपका बहुत सहायक बनेगा। आप यह भाव बनाए और महसूस करें जैसे आपकी कमर पर आभार रूपी गुलदस्ते बंधे हुए हैं उन्हें निरंतर कल्कि जी को आभार प्रगट करके भरते रहें। रात को सोने से पहले उन्हें खाली कर दें अर्थात् फल समर्पण कर दें और अगले दिन सुबह से फिर इन गुलदस्तों को भरना शुरू कर दें, आपको अच्छा मिलेगा ही मिलेगा।

तीर्थ दर्शन (टूर एंड ट्रैवल)

29 सितंबर-20 अक्टूबर 2013 को आओ चलें संभल सुप्त तीर्थ जागरण अभियान में

संभल के नक्शे के बीचों-बीच श्री हरि मंदिर दर्शाया गया है व संभल महात्तम में इसका विशेष उल्लेख है जहाँ प्रभु श्री कल्कि विराजेंगे। जो अभी हमें नहीं मिल रहा है सो श्री हरि मंदिर के लिए, विमला तीर्थ (जिसे भविष्य गंगा भी कहते हैं) एवं गोमती तीर्थ को जागृत करने के लिए सूर्य कुंड पर श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ होगा। अब सितंबर महीने में सूर्य कुंड तीर्थ पर कल्कि सहस्त्रनाम के यज्ञ का आयोजन **29 सितंबर 2013 को—सूर्य कुंड तीर्थ** पर होगा। 20 अक्टूबर 2013 को श्री हरि मंदिर के साथ तीनों पुष्कर तीर्थ के निमित्त श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ होगा।

महिमा संभल सुप्त तीर्थ जागरण की

रामावतार में जब रावण ने कुंभकरण को जगाया तो उसने किस प्रकार श्रीराम की सेना का हनन किया और वानरों को कच्चा खा गया। इसी प्रकार कल्कि सहस्त्रनाम हवन ने संभल तीर्थ को बड़े ही अविश्वसनीय रूप से जागृत किया जिसकी सरकारी दस्तावेजों में प्रत्यक्ष मिसाल है। संभल में यज्ञ करने से पहले इस नगरी का नाम भीमनगर रखा जा चुका था जो कि कल्कि विष्णु मंदिर में भी बोर्ड पर पिछले वर्ष (अगस्त 2012 पर सबने पढ़ा था) कल्कि जयंती पर लिखा था। निरंतर प्रतिमास संभल सुप्त तीर्थ जागरण यज्ञ अभियान के उपरांत इसका नाम पुन: संभल रखा गया। इतना ही नहीं संभल को कस्बे से जिले का दर्जा मिला और अब 12 अगस्त से संभल की तहसील से सरकारी कामों के लिए पहली बार रुपया बंटना शुरू हुआ है और जल्द ही नई बन रही तहसील में यह तहसील चली जाएगी।

चलो बुलावा आया है 15 सितंबर रविवार को महालक्ष्मी जी ने अग्रोहा में बुलाया है

15 सितंबर रविवार को अग्रोहा धाम में श्री कल्कि बाल वाटिका सिरसा के प्रथम आयोजन पर महालक्ष्मी, प्रभु श्री कल्कि जी की कृपा से दिव्य श्री कल्कि जी की चौकी, नृत्य नाटिका, डांडिया नृत्य के साथ 108 दीपों द्वारा श्री कल्कि जी व पदमा रमा सहित आरती का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की शूटिंग **दिव्य चैनल** की टीम कर रही है जो प्रतिदिन शाम को श्री कल्कि की आरती हरियाणा, पंजाब व उत्तराखंड में दिखायी जाएगी।

सिरसा बाल वाटिका एवं श्री कल्कि जी की चौकी के उपलक्ष्य में दिल्ली से एक ए.सी. बस में पहले आओ पहले पाओ के आधार पर मात्र 200 रु प्रतिसवारी से जा रही है। मार्ग में आने जाने के समय पानी व नाश्ते की व्यवस्था पहले की तरह स्वयं की होगी।

प्रस्थान : प्रात: 5 बजे बस राजनिवास मार्ग (शाह ऑडोटोरियम) से चलकर आजाद मार्केट, गुलाबी बाग, पीरागढ़ी चौक होते हुए अग्रोहा धाम पहुंचेगी।

* निराशा से बचने के लिए बस की बुकिंग 9 सितंबर तक करवा लें।

नोट : बस की बुकिंग पूरी होने पर श्री मनोज पांडे (9212703815)

इनोवा कार शेयर बेसिस पर करवा देंगे।

* बस के फर्श पर किसी भी सवारी को बैठने की इजाजत नहीं होगी। * बन पड़े तो शूटिंग के हिसाब से सुंदर पोशाक पहन कर आएं। संपर्क सूत्र : मनोज पांडे- 9212703815, अंकित गड़ौदिया-09968154304, अमित जैन-9310133445, मेघना गोयल-9136377829

बताएं गिरिराज जी एवं नैमिषारण्य कब-कब चलें?

श्री अखिलेश दुबे के संरक्षण में गिरिराज जी (संभावित तिथि-24-25 नवंबर) एवं श्री विजय बंसल एवं सुश्री इंदू बंसल के संरक्षण में नैमिषारण्य जाने का कार्यक्रम बना रहे हैं। कृप्या बताएं कितने दिन वहाँ रहना चाहते है, कब जाना चाहेंगे? क्या आप अपनी गाड़ी से जाना चाहेंगे या बस से जाना चाहेंगे?, आपके कितने सदस्य होंगे। आप कृप्या नीचे लिखे नंबर पर सूचित करें जिससे कार्यक्रम की योजना का क्रियान्वन हो सके। **श्री मनोज पांडे- 9212703815,**
श्री अमित जैन-9310133445, सुश्री मेघना गोयल-9136377829

गिरिराज जी दान घाटी

नैमिषरण्य तीर्थ माँ ललिता मंदिर

रविवार 20 जुलाई 2013 को संभल धाम ए.सी. बस में जाते व आते समय जो परेशानियाँ आईं थी उसके लिए हम क्षमा याचना करते हैं। आगे से ऐसा न हो यह ख्याल रखेंगे।

वाशिंगटन मेल
आभार
पालनपुर

अमरीका वाले कहते हैं कि हम श्री कल्कि मासिक पत्रिका
2009 से पढ़ रहे हैं जबकि भारत वालों को मासिक पत्रिका ही नहीं मिलती

I have read all Shri Kalki Balvatika magazines since its inception in 2009 [http://shrikalkibalvatika.com/]. It is

Shri Dilip Gupta (with wife) Washington, District of Columbia

also nice that one can download many of the Bhajans and Kalki Mahamantra Dhun from Kalki Balvatika web site [http://shrikalkibalvatika.com/bhajans] and [https://www.facebook.com/groups/kalkigroup.real/files/]. We are all grateful that you are uploading regularly Kalki Balvatika Magazines very promptly in first weeks of the month and constantly updating latest pictures of Kalki Mandal events and festivals on [https://www.facebook.com/groups/kalkigroup.real/events/] and [https://www.facebook.com/groups/kalkigroup.real/photos/ Animesh Goel and Arpit Gadodia have kindly uploaded many videos of Kalkiji Keertan of Padamji on youtube. Recently I was able to enjoy all the videos of Kalki Jayanti in Sambhal and Keertan at Kalki Mandir in Delhi, thanks to all of you.

Kalki Mandal did wonderful job with recording of wonderful tunes of many bhajans and uploading them. My mother in Palanpur enjoyed the music files of Bhajans when I downloaded and shared the files with my brothers and sisters in Gujarat. I encourage my acquaintances in India and US to put the bhajan / Mahamantra files on mobile phones so they can chant / sing them 24/7 anywhere anytime. We all, who are outside Delhi or India, greatly appreciate the efforts of Kalki Mandal enthusiast devotees in Delhi and India, who are very wisely using the technology to very good use. You all are doing great service, changing many lives all over the world. Now we are able to see Kalki Jayanti and other events Celebrations on the other side of planet immediately. These could not have happened without help and active participation of many young technology savvy kids [Vishnu, I believe he is your son, Arpit, Animesh, Ayush and many other who are active in Kalki Balvatika]. Kumar Vishnu is doing great in service of Kalkiji and has kindly shared many bhajans and Sahitya files on skydrive https://skydrive.live.com/?cid=3E910D9F51384889 . We request to continue the efforts and upload videos / audios of Kalki Keertan on above mentioned web sites. It will be great if more bhajans recorded in studio are uploaded on web site.

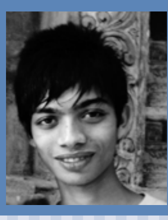

Vishnu Ankit Ayush Akshay Arpit Animesh

कल्कि नाम का प्रबल प्रताप इन्हें (मेरे को, मेरों को, सभी को) संभाल रहे हरि (प्रभु श्री कल्कि) आप

—मामाजी

रामकृष्ण परमहंस जी

भगवान श्री कल्कि

मां दुर्गा

श्री हनुमान जी

मेरे कल्कि जी ने असंभव को संभव किया

—श्री ओ. पी. गुप्त (मामाजी-9136377829)

हम 9 भाई बहिन हैं। जब मेरे पिता जी का आकस्मिक स्वर्गवास हुआ तब हम 23 रुपये महीने के किराए के मकान में रहते थे। मैं आठवीं कक्षा में पढ़ता था। ऐसे में कैसे चमत्कारी प्रभु श्री कल्कि ने मेरे साथ असम्भव को सम्भव करने की अनेक लीलाएं साक्षात स्वप्न अनुभवों में प्राप्त की, जिन्हें समय समय पर मामाजी के नाम से मासिक पत्रिका में छापा गया।

मेरे मन में एक ही अभिलाषा रहती थी कि जब श्री कल्कि ने मुझे भाग्य की हस्त रेखाओं व पत्री में न होते हुए भी अनन्त दिया जिसे मैंने दिल्ली, उससे बाहर व विदेशों में बच्चों को बताया, उसे कल्कि जी की कृपा से सिर्फ मेरी बड़ी बहिन के अलावा उस श्रद्धा व भक्ति से नहीं अपनाया जैसे गुरुवर लक्ष्मीनारायण जी से आठ वर्ष मिले सत्संग के फलस्वरूप मैंने अपनाया। मैं गुरु जी का कोटि-कोटि आभार करता हूँ कि उनके बताए पक्के सिद्धांतो के रास्ते पर चलने के फलस्वरूप मेरे कल्कि जी की रेखा आज इतनी ऊँची हो रही है और उनके मानने वालों पर उनकी ऐसी कृपा बरस रही है कि आज मेरे परिवार ने भी मेरे जैसा पाया। आज हम सबकी एक पारसमणी माला बन गई है और अब जो इसको छूकर हम जैसा ही करेगा वो भी पारसमणी बन जाएगा। मेरी बेटियाँ और बहनें भी आज इन्हीं की तरह प्रभु श्री कल्कि की आराधना (पूजा-नाम-जाप-हवन-सत्संग-मूर्ति स्थापना आदि) करते हुए अनेक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं।

मुझे अनुभव देकर कल्कि भगवान ने परेशानी से बचाया-बचा रहे हैं-बचाएंगे

—श्रीमती सुधा गुप्त (धर्म पत्नि श्री कृष्ण गुप्त कपड़े वाले-9540000085)

हम 1972 में राजपुर रोड के मकान में आए थे। कुछ महीनो बाद छत पर से लोहे की बॉल खेलने की आवाज़ आती थी। कभी-कभी तो पगड़ी वाला, सिर कटा आदमी दिखते थे और कभी-कभी घुंघरुओं की आवाज़ भी आती थी। रात में बच्चे डरते थे। रात को कोई भी ऊपर नहीं जाना चाहता था। कुछ वर्ष बाद मैंने अपने देवर (मामाजी) से बात की तो उन्होंने मुझे कल्कि जी के उपचार बताए। तब से कोई नहीं डरता। न ही अब आवाज़ ही आती है। उन अतृप्त आत्माओं को मुक्ति मिल गई है। घर में शांति हो गई। इसलिए मैं कल्कि भगवान की बहुत बहुत आभारी हूँ कि हमें घोर परेशानी से निकाला। मुझे यह स्वप्नानुभव हुआ कि मैं मम्मी की छत्त पर सुबह उठी तो 3 शेर जैसे जूं निकालते हैं ऐसे चिपटे हुए बैठे हैं। पहले तो मैं डरी पर हिम्मत करके नीचे भाग गई। मैंने यह अनुभव अपने देवर (मामाजी) को बताया। तो उन्होंने मुझे तुरंत 11 रुद्राभिषेक करने का संकल्प करवा दिया। उन्होंने कहा कि तुम्हारे किसी भी मकान को किसी समय भी कुछ भी हानि हो सकती है।

मल्टीनेशनल कंपनी की तरह जैसा जिसने किया कल्कि जी का काम वैसा ही उसे मिला कल्कि जी से इनाम

राजपुर रोड के इसी मकान में जहाँ आज आप सब बैठे हैं अगले दिन शॉर्ट सर्किट होकर आग लग गई। पर कुछ जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। मेरा घर परिवार सुरक्षित बच गया। यह कल्कि जी का ही चमत्कार था जो उन्होंने अनुभव देकर हमारी रक्षा की अगर यही आग दिन की बजाए रात को लगती तो न जाने क्या होता!। मैं दिल से श्री कल्कि जी की बहुत आभारी हूँ।

कल्कि जी ने सुलझाए उलझे हुए काम

—श्रीमती विनोद गुप्त (011-23974552)

मैं चमत्कारी श्री कल्कि जी की तहे दिल से आभारी हूँ कि वह अपनी अनंत कृपा बरसाते हुए हमारे उलझे हुए काम सुलझा रहे हैं।

मुझे कल्कि जी से सब कुछ मिला

—डॉ० वेद प्रकाश गुप्त (011-23936187)

पिछले चार वर्षों में श्री कल्कि भगवान जी ने मुझे आसाध्य रोग से मुक्ति दिलवाई है। उन्होंने मुझे बहुत ही सुन्दर परिवार व अच्छा व्यापार दिया है। उन्होंने मुझे बहुत शांत जीवन व समाज में स्थान दिलवाया है। मैं उनका बहुत ही आभारी हूँ।

कल्कि जी की कृपा से मेरे जीवन की सुख समृद्धि में चार चाँद लग गए

—श्री सुभाष गुप्त (9810300045)

भगवान श्री कल्कि की कृपा से मेरे जीवन की सुख समृद्धि में चार चाँद लग गए। कल्कि जी के उपचारों की सहायता से मेरे कई मुश्किल और असंभव कार्य पूरे हुए। मैं कल्कि जी का आभारी हूँ।

मेरे तो कल्कि गोपाल दूसरे न कोई

प्राणाधार-प्राणापाल अनुभव दे मालामाल कर दीनो अति निहाल.....

प्राणाधार-प्राणापाल अनुभव दे मालामाल कर दीनो अति निहाल.....

वास्तव में श्री कल्कि रहस्यों के भी रहस्य जानते हैं

—सुश्री पूजा गुप्त (9891000063)

मैं बी.ए. पास जैन धर्म में पोषित उच्च धनाढय परिवार में पली गुप्त परिवार की पुत्रवधु हूँ। आज एक गोपनीय तथ्य मैं समस्त कल्कि समाज के समक्ष रखना चाहती हूँ कि पूर्ण श्रद्धा से भगवान श्री कल्कि से जुड़ने के बाद उनकी आराधना से मेरे वर्षों से रुके असम्भव कार्य सम्भव हुए और हो रहे हैं।

मैं अपने कल्कि भगवान एवं देवी जी की आभारी हूँ। अपने जीवन की हर विषम परिस्थिति में इनकी कृपा मैंने हर पल महसूस की है।

* प्रभु कल्कि एवं दुर्गा जी की कृपा से हमें अपने व्यापार में आई तकनीकी परेशानियों (टैक्निकल प्रौब्लम्स) से निकलने के विशेष समाधान मिले हैं।

* और तो और मेरे बेटे कनव को स्वास्थ्य संबंधी कुछ परेशानी थी पर कल्कि जी की कृपा से वह परेशानी दूर हुई और वह स्वस्थ हो गया।

* पिता श्री के बाद मेरी माता श्री का निधन मेरे जीवन की अत्यंत दुखद घटना थी। पर इस दुःख की घड़ी में कल्कि भगवान एवं मेरी दुर्गा मां के सुमिरन ने मुझे बहुत सुकून दिया। जब-जब मेरे माता-पिता की याद मुझे पीड़ित करती है तब-तब कल्कि भगवान एवं देवी मां का ध्यान करने से मेरे हृदय को शांति मिलती है। मानो मेरे प्रभु एवं मेरी देवी मां मेरे माता-पिता से मेरी बात करा देते हैं।

मेरे हृदय के सत्य उद्‌गार हैं— हमारे प्रभु कल्कि परम उदार अंचल से पीतांम्बर पकड़ो पहुंचा पकड़न हार **सर्व समरथ सम्पन्न अधीश्वर मन की जानन हार।**

कल्कि जी के प्राकटय के कार्य के संकल्प मात्र से कृपा मिली

—श्री सतीश गुप्त (9811061666)

मैं कल्कि जी का आभारी हूँ कि थोड़ा सा संकल्प उनके प्रचार-प्राकटय के कार्य का करने पर उन्होंने मुझ पर अपनी कृपा बरसाई।

जब कल्कि जी ने रहस्यमयी ढंग से जीवन संगिनी दिलवाई

—श्री अर्चित गुप्त (9810000046)

1989 में जब मैं 8 वर्ष का था, ओम ताऊजी (मामाजी) द्वारा

चालित श्री कल्कि बाल वाटिका में मैं जाया करता था। वहाँ हमसे मामाजी श्री गणेश जी-हनुमान जी-दुर्गा जी-कल्कि जी की पूजा क्यों? बता कर फिर उन्हें चंदन-रोली-पुष्प-केले व 1-1 रुपये का सिक्का चढ़वाते थे। (अब मुझे वह सब नाटक सा लग रहा है कि कैसे विरोधाभास में उन्होंने हम सब 52 बच्चों में खेल खेल में संस्कार रोपण कर रहे थे क्योंकि वह सिक्का जो वह हमसे पूजा में चढ़वाते थे वह रश्मि दीदी पूजा के बाद इकट्ठे करके अगले महीने की पूजा के लिये (मामजी के बताए तरीके से) उठाकर रख लेती थी, पंडित जी को नहीं देती थीं)। हवन-त्रैकालिक प्रार्थना-महामंत्र जाप की प्रतियोगिता-आरती-प्रसाद फिर सत्संग में कहानी सुनाना-लिखवाना-पत्रिका में नाम से छपवाना-तालियाँ बजवाकर हम सब को इनाम देना आदि प्रतिमास बाल वाटिका के अभिन्न अंग होते थे अत: मन करता था कि कब अगला महीना आए और हम सब जाकर मौज मस्ती करें क्योंकि वहाँ कोई डाँटने वाला नहीं था। फैक्ट्री में किसी बच्चे से कोई नुकसान होने पर भी **मामाजी के मुँह से एक ही शब्द निकलता था कुछ नहीं होता।** 3-4 वर्ष मैं वहाँ गया। मुझे वहाँ बहुत अच्छा लगता था और मैं मामाजी से कहा करता था कि जब मैं बड़ा हो जाऊँगा और आपकी तरह ऐसा व्यापार जमा लूंगा तो मैं भी कल्कि जी की बाल वाटिका चलाऊँगा। इसपर मामाजी टोक देते थे कि बेटा पैसे के साथ भगवान को सम्भालना सबका काम नहीं है। लेकिन मै ठहरा जिद्दी स्वभाव। क्या बात करते हो (मामाजी) मैं तुसमे अच्छी करके दिखाऊँगा। इस पर मामाजी मात्र मुस्करा देते थे।

धीरे-घीरे जैसे मैं बड़ा होता गया मेरा बाल वाटिका में जाना छूट गया एवं अपनी **बोल कबोल** भी मैं भूल गया। अब तो मेरा जीवन उड़ान भरने लगा। मैंने बैंगलोर-विदेश में शिक्षा प्राप्त की। सुख समृद्धि सब कुछ एसी थी जैसी कभी-कभी कल्पना करता था। पर अपने बूते पर मामाजी की तरह मैं अपने व्यापार में जो मुकाम हांसिल करना चाहता था उसके लिये रास्ते नहीं मिल रहे थे। **मजे की बात यह थी कि जैसा सबके साथ होता है वैसे ही अब मेरा भगवान में ज्यादा मन नहीं था। लेकिन जितनी बार भी उत्सवों में या घर पर मामाजी से आमना सामना हुआ उन्होंने मुझे कभी नहीं टोका। बस वह मुस्कराकर अभिवादन करते रहे।**

लेकिन भगवान श्री कल्कि इतने दयालु हैं चाहे भक्त भूल जाए पर वे अपने भक्तों से नाता नहीं तोड़ते। किस रहस्यमयी ढंग से कल्कि जी ने मुझे पत्नि दिलवाई इसका तो मैं कल्कि जी का बहुत बहुत आभारी हूँ। मेरे प्रभु कल्कि जी की कृपा से मेरा 2 वर्ष का पुत्र है। उसके जन्म से पहले कई समस्याएं आईं पर श्री कल्कि जी ने स्वप्न अनुभवों में रास्ता दे-देकर मेरे पुत्र का जन्म करवाया।

मैं धीरे धीरे पुन: कल्कि जी से जुड़ने लगा। स्वप्न अनुभवों में मिले निर्देशों से प्रभावित होकर एवं मामाजी के सत्संग से मैं कल्कि जी के संग्रहालय के कार्य से जुट गया। **वही संग्रहालय का टेबल मॉडल आज 18 अगस्त 2013 में आपके सामने भगवान कल्कि जी की चौकी में प्रस्तुत है।** चमत्कारी श्री कल्कि जी के चमत्कार से मेरे साथ अच्छी अच्छी घटनाएं होने लगीं। अपनी महाकृपा से उन्होंने मेरे व्यापार में एक अमरीका के इंटरनेशनल बड़े नाम (ब्रांड) से जोड़ा है। मामाजी के बताए श्री कल्कि भगवान की भक्ति के रास्ते पर चलने पर मुझे

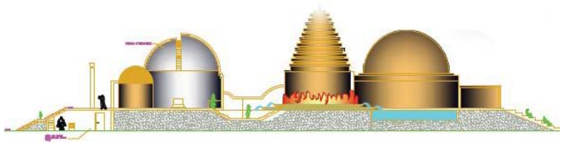

इस महा प्रसाद की प्राप्ति हुई है। मेरे व्यापार में मुझे यह मेरी मन चाही वैभवता और यश प्रदान करेगी। अब तो मैं श्री कल्कि भगवान का हमेशा आभारी रहूंगा और उनकी आराधना (पूजा-नाम-जाप-हवन-सत्संग-मूर्ति स्थापना आदि) करते

मैं कल्कि जी के चमत्कार से अचंभित हूँ

—श्री गौरव गुप्त (9810000429)

मैं कल्कि भगवान के चमत्कार से अचंभित हूँ और प्रभु का आभारी हूँ कि कैसे वह एक व्यक्ति के जीवन में घटने वाली घटना होने से पहले किसी दूसरे व्यक्ति को दिखा देते हैं।

श्री कल्कि के प्राकटय के प्रचार का कार्य करते रहने से खुशियाँ स्थाई रूप में बनी रहेंगी

—सुश्री ज्योति गुप्त (9810400046)

मैं अपने आप को बहुत भाग्यशाली मानती हूँ। जैसे ही मैं शादी होकर अपने सुसराल आई मेरे प्रभु श्री कल्कि ने मेरा हाथ थाम लिया। शादी से पहले मैं कल्कि भगवान के बार में कुछ भी नहीं जानती थी। शादी के बाद मेरे जीवन में कई ऐसे मौके आए, जब मैंने पांडवों के श्री कृष्ण की तरह भगवान श्री कल्कि की अहैतुकी कृपा की प्रत्यक्ष अनुभूतियाँ पाईं।

शादी के बाद दिसम्बर 2009 में मैं पति के साथ बाहर घूमने गई। तब मेरे ससुर (श्री सुभाष जी गुप्त) को स्वप्न अनुभव में दिखा कि मुझे एक बहुत बड़े सर्प ने निगल लिया है। पापाजी ने ओम ताऊजी (मामाजी) से पूछकर मेरे लिए उपचार कर दिया और सच में उसी दिन उसी समय मैं विदेश में एक बहुत बड़े एक्सीडेंट से दैव कृपा से बची।

मैं विदेश में ढलान पर साईकिल चला रही थी और बहुत जोर से गिर गई। मुझे बहुत छोटी सी चोट आई। मुझे उस समय ऐसा प्रतीत हुआ कि यदि मैं साईकिल झटके से नहीं रोकती (जब मैं गिरी थी) तो सामने से आती हुई गाड़ी बहुत बड़ी दुर्घटना कर जाती, क्योंकि मेरी साईकिल की स्पीड बहुत तेज हो गई थी।

एक बार मुझे स्वप्न में दिखा कि ज़मीन फट गई है और मैं उसमें नीचे गिर रही हूँ। तभी एक हाथ ने मुझे पकड़कर बाहर निकाला। मुझे इस बात का पूर्ण विश्वास है कि भगवान श्री कल्कि ने सहारा देकर जीवनदान दिया है। इसके लिये मैं हमेशा श्री कल्कि जी की आभारी रहूंगी।

जब मैं गर्भवती थी तो मेरे पापाजी को स्वप्न अनुभव में अश्वत्थामा दिखा। (द्वापर युग में अश्वत्थामा ने उत्तरा के गर्भ पर ब्रह्मास्त्र चला कर उसके गर्भ को नष्ट करने का प्रयत्न किया था)। तब मैंने मामाजी के बताए हुए उपचार किये। कल्कि जी का मंत्र बॉक्स चलाकर रखा। कल्कि भगवान की ही कृपा से सेफ डिलीवरी द्वारा मुझे एक सुन्दर पुत्र की प्राप्ती हूई।

मेरे बेटे की जब भी तबीयत खराब होती है या उसके लिये कोई नकारात्मक अनुभव आता है तो मैंने पाया है कल्कि जी से प्रार्थना करने से एवं उनके उपचार करने से मेरे बेटे का स्वास्थ्य ठीक हो जाता है। मैं मानती हूँ कि कल्कि जी के उपचार बहुत असरदार हैं। इनके माध्यम से छोटी बड़ी परेशानियों से निकलने के रास्ते मिल जाते हैं।

लेकिन यहाँ मैं यह बात स्पष्ट करना चाहूँगी की कल्कि जी की विशेष कृपा के स्थाई रूप से हकदार बने रहने के लिये कल्कि जी का कार्य करना, उनके नए-नए प्रचार के कार्य (प्रोजेक्ट) पूरे करने के लिये सदा प्रयत्नशील बने रहना अति आवश्यक है। क्योंकि मुझे भगवान श्री कल्कि जी ने सतर्क किया है कि "**उनके प्राकटय के प्रचार के कार्यों में जीवन लगाओ और नवजीवन पाते रहो**" मैं समझ गई हूँ कि कल्कि प्रभु के कार्य में लगे रहने से ही मेरी खुशियाँ स्थाई रूप में मेरे पास बनी रहेंगी। मैं अब अपने पति (श्री अर्चित गुप्त) के साथ श्री कल्कि जी के संग्रहालय (म्यूजियम) के कार्य में संलग्न हूँ (जिसका टेबल मॉडल आप यहाँ देख रहे हैं) श्री कल्कि जी के काम में भी तत्पर रहती हूँ।

मैं श्री कल्कि भगवान की आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे ही नहीं कल्कि समाज को मेरे द्वारा यह संदेश दिलवा रहे हैं कि कल्कि जी के प्राकटय का कार्य करते रहने से सदा नवजीवन मिलेगा।

कल्कि जी ने सरकारी चक्रव्यूह से निकाला

—सुश्री पारुल गुप्त (धर्मपत्नी श्री अमित गुप्त) (9910003910)

मैं भगवान कल्कि की तहे दिल से आभारी हूँ। कुछ ही समय पहले मेरे पति भारत सरकार के महकमे की एक बहुत बड़ी परेशानी में फँस गए । भगवान श्री कल्कि ने स्पष्ट अनुभव देकर हमें बहुत बड़े संकट से सुरक्षित निकाला। मुझे इस संकट में फँसने से कुछ दिन पहले एक स्वप्न अनुभव हुआ कि मेरे साथ मेरे पति और कई लोग हैं। कुछ लोग उन्हें फँसाने की कोशिश कर रहे है। उन्हें फँसाने के लिये किसी ने इनकी जेब में ड्रग का पैकेट डाल दिया है। फिर जैसे ही गाड़ी रुकी तो कुछ सरकारी अफसर सामने खड़े हैं। मैंने जैसे ही उन अफसरों को देखा, इनकी जेब में से ड्रग का पैकेट निकालकर बाहर फेंक दिया।

मैंने जब यह स्वप्न अनुभव देखा था तब मैंने इसे देखकर अनदेखा कर दिया था क्योंकि तब तक मैं और मेरे पति कल्कि नाम से इतना ज्यादा नहीं जुड़े थे। लेकिन यह कल्किजी का चमत्कार था उन्होंने आगे आने वाली बहुत बड़ी मुसीबत पहले दिखाई फिर कैसे बचाया।

उसके कुछ दिन बाद ही यह अनुभव साकार होकर हमारे सामने आया। मेरे पति सच में ही भारत सरकार के एक बहुत बड़े चक्रव्यूह में फँस गए। हमने थोड़े बहुत उपचार अपने ससुर से पूछकर किये पर सब चीजे इतनी ज्यादा उलझ गई थीं कि हमें इससे बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं मिल रहा था। **यह बात**

सही भी है कि जितना ज्यादा इन्फैक्शन शरीर में होगा उसको दूर करने के लिये उतने ही तेज़ एंटीबॉयटिक दवाई की आवश्यकता होती है। हमारे साथ भी सच में ऐसा ही हुआ। जब हमें कोई रास्ता नहीं दिखाई दिया तो मैंने ओम ताऊजी (मामाजी) को फोन किया और हम उनसे मिलने गए। मामाजी ने हमें 4 दिन निष्ठा से उपचार करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि जिस चीज को तुम लोग आसान समझ रहे हो वह तुम्हें तबाह कर सकती है। चार दिन हमने मामाजी द्वारा बताए गए उपचार किए एवं कल्कि भगवान से प्रार्थना की। हमारे साथ चमत्कार हुआ कि चौथे ही दिन हम उन भारत सरकार की दण्डनीय शक्तियों के शिकंजे से चमत्कारी ढंग से आज़ाद हो गए। मैं कल्कि भगवान की बहुत-बहुत आभारी हूँ कि उन्होंने इतनी बड़ी विपदा से हमें इतनी सरलता से छुटकारा दिला दिया। इस प्रकार हम लोग अब पूरी श्रद्धा और भक्ति से भगवान श्री कल्कि से जुड़ गए हैं।

कल्कि भगवान के स्वप्नानुभव भविष्य की घटनाओं से सचेत करते हैं

—श्री अमित गुप्त (9810003910)

मेरे घर में बहुत सालों से कल्कि भगवान की पूजा होती है। मेरे

माता-पिता को मैंने समय-समय पर कल्कि भगवान के निमित्त उपचार एवं प्रार्थना करते हुए देखा। लेकिन जनवरी 2013 तक मैं इन सब बातों में (कल्कि भगवान के स्वप्न अनुभव लीला एवं उपचार) में विश्वास नहीं करता था। मार्च 2013 में मेरे जीवन के घटना क्रम में अचानक कुछ ऐसे परिवर्तन आए कि मैं कल्कि भगवान, उनकी स्वप्नानुभव लीला एवं उनके उपचारों को जानकर-मानकर-करकर ऐसे बाहर निकाला जो अविश्वसनीय है परन्तु सत्य है।

एक बार मुझे स्वप्नानुभव हुआ कि मेरे घर के गेट पर एक राक्षस (यमराज) खड़ा है। वो मुझे लेने आया है। इस स्वप्न को देखकर मैं बहुत डर गया। फिर मैंने अपनी पत्नी को यह सब बताया। मेरी पत्नी ने ओम ताऊजी (माामजी) और मेरे पिता जी से पूछकर के इसके लिये कई उपचार किये। उपाय करने के तुरन्त बाद मुझे स्वप्न आया कि मैं और मेरी बेटी, हम दोनों घर के बाहर जा रहे हैं और गेट पर वही राक्षस जो एक दिन पहले दिखा था मुझे मार रहा है। **क्योंकि मैं कल्कि भगवान के निमित्त उपचार कर चुका था इस कारण मुझे कोई चोट नहीं लगी।** फिर मेरी बेटी ने अपनी हाथ की उंगली से उस राक्षस को 4-5 गोलियाँ मारी और राक्षस नीचे गिर गया। उसके मुँह से आह-आह कराहने की आवाज़ निकली और हम दोनों पिता और पुत्री हाथ पकड़कर बाहर आ गए। इन दोनों अनुभव और उनके आपसी ताल मेल ने मुझे अंदर तक झंझोड़ दिया।

आज यह मैं पूर्ण विश्वास के साथ मानता हूँ कि कल्कि भगवान की आराधना करने के पश्चात आने वाले स्वप्न अनुभव हमें हमारे भविष्य की घटनाओं से सचेत कराते हैं। यदि हम उन्हें तुरंत लिखकर स्वप्नानुभव पुस्तक से पढ़कर अथवा सही जानकार से पूछकर उनका सही तरह से समय पर तुरंत संकल्प-उपचार कर दें तो हम बड़ी से बड़ी मुसीबत से बच सकते हैं।

जब से मैंने इन सब बातों पर विश्वास करना एवं कल्कि भगवान की आराधना करना आरम्भ किया है तब से मेरे जीवन में सुख-शांति के नए रास्ते भी खुलने लगे हैं।

कल्कि जी ने हाथ की रेखाएं बदल दीं

—श्री विनय गुप्त (9810000442)

जब से मैं श्री कल्कि जी की शरण में आया हूँ मेरी पत्री वह हाथ की सभी रेखाएं उन्होंने बदलनी शुरु कर दीं। मुझे मन की शांति मिली है। अनुभवों के उपचार से आगे बढ़ने का रास्ता मिला है। श्री कल्कि जी मुझे अब एक सुदृढ़ व्यापार की ओर ले जा रहे हैं।

कल्कि जी ने मुझे खुशियाँ दीं

—सुश्री कनिका गुप्त (9910000442)

जब से मैंने कल्कि जी का नाम लेना शुरू किया है तब से मेरे

मन की काफी परेशानी खत्म होती जा रही है। रास्ते अपने आप दिख जाते हैं। मन के किसी कोने में डर था कि मैं कैसे कुछ करूंगी। लेकिन हिम्मत पता नहीं कहाँ से आ गई और काम बनते जा रहे हैं। बच्चों के मनों में आत्मविश्वास और खुशियाँ आई हैं। पूजा करने का क्या महत्त्व होता है कैसे करते हैं मेरे लिये बहुत महत्तवपूर्ण हो गया है। देखते देखते मेरे परिवार की सोच ही बदल गई, मैं कल्कि जी की बहुत ही आभारी हूँ।

11 दिन की माला से पितृ स्वस्थ हुए

—श्री विपुल गुप्त (9810000085)

प्यारे साथियों एक बार मुझे अनुभव हुआ कि मेरे स्वर्गीय पिता जी दुखी हैं। मैने चाचाजी (मामाजी) से अपना अनुभव बता कर उनसे उपाय पूछा। उन्होंने मुझे 11 दिन पिता जी के लिये **जय श्री कल्कि जय माता दी** की माला करने को कहा और बोले कि तुम्हें अवश्य अनुभव होगा और पता चल जाएगा। फल स्वरूप 11 दिन नियम से माला करने के बाद मुझे स्वप्नानुभव हुआ कि मेरे पिता जी बिलकुल स्वस्थ हैं और खुश होकर मुझसे पूछ रहे हैं कि **तू कैसा है ?**

मैं कल्कि जी का आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे रास्ता दिया और मुझे इस दुविधा से बाहर निकाला।

कल्कि जी की बहुत सी कृपाओं के लिए आभारी हूँ

—सुश्री उदिता गुप्त (9910000428)

मैं एम.बी.ए. पास हूँ। मेरी परवरिश रुद्रपुर में संभ्रांत धनाढय परिवार में हुई है। शादी से पहले मैंने कभी कल्कि भगवान का नाम भी नहीं सुना था। ससुराल आने के पश्चात उनका नाम सुनने को मिला। **मैं कल्कि भगवान की आभारी हूँ।** मैं उनसे ज्यादा जुड़ी नहीं थी पर मेरे बेटे की प्रैगनेंसी के दौरान उन्होंने स्वप्नानुभव में आने वाली परेशानियों के बारे में मुझे बताया। तब मैंने कल्कि भगवान के प्रार्थना-उपचार करने आरम्भ किये। उनकी कृपा से मेरे बेटे के जन्म की सारी प्रक्रिया सुचारू रूप से संभव हो पाई। अब तो मेरे जीवन के अन्य कार्यों में भी मैं कल्कि भगवान की कृपा पग-पग पर महसूस करती हूँ। कल्कि जी की बहुत सी कृपाओं के लिये मैं उनकी आभारी हूँ।

कल्कि जी के स्वप्नानुभव उपचार मेरे परिवार का सुरक्षा कवच हैं

—सुश्री रचना गुप्त (9810300045)

मेरे एवं मेरे सम्पूर्ण परिवार के आराध्य श्री कल्कि भगवान हैं। कल्कि भगवान की आराधना के फल स्वरूप मेरे प्रभु बड़ी से बड़ी परेशानी से हमें सहज ही निकाल लेते हैं। श्री कल्कि भगवान के उपचार एवं प्रार्थना के द्वारा हर समय मुझे अपने जीवन में सुख शांति का आभास होता है। अपने परिवार के सभी सदस्यों के स्वास्थ्य की चिंता प्रत्येक नारी को होती है पर कल्कि जी की कृपा का अपने परिवार की सुरक्षा पर अहसास मुझे हर पल महसूस होता है। मैं कल्कि जी की बहुत-बहुत आभारी हूँ।

मूर्ति स्थापना निर्विघ्न पूरी हुई

—सुश्री प्रियंका गुप्त (9810059829)

कल्कि भगवान सदा ही मुझे रास्ता दिखाते हैं। ऐसा ही कुछ 14 जुलाई 2013 को भी हुआ।

मैं अपने मामाजी के घर (धर्मपुरा छीपी वाड़े) में मूर्ति स्थापना में बैठी थी। दो दिन की पूजा निर्विघ्न पूर्ण हुई। मगर तीसरे दिन जब पूजा हो रही थी तभी मेरी नंद सुश्री निधि गुप्त धर्मपत्नि श्री रचित गुप्त (जोकि पूजा में बैठी थी) उन्हें चक्कर आने लगे और वह बेहोश हो गईं। तभी मैंने चाचाजी (मामाजी) से पूछकर कल्कि जी के उपचार करवाए। उपचार करते ही धीरे धीरे उनकी तबीयत भी ठीक हो गई और सारा काम बिना रुकावट के पूरा हुआ। वहाँ बैठे सभी रिश्तेदार व लगभग पूजा कराने वाले 9 पंडित अचम्भा करने लगे कि कल्कि जी के उपचार कितने प्रभावशाली हैं। मैं कल्कि भगवान की आभारी हूँ कि वह जीवन की कठिनाइयों को आसान बनाकर हमें आगे बढ़ने का रास्ता और हौंसला देते हैं।

आश्चर्यजनक किंतु सत्य.....महाविष्णु का भगवान श्री कल्कि ऐसा चमत्कारी अवतार जिसके प्रकट होने से पहले सिद्ध पीठों और शक्तिपीठों में मूर्तियाँ लग रही हैं और विधिवत पूजा हो रही है

www.shrikalkibalvatika.com

kalki group (real) on face book

मेरे आराध्य प्रभु श्री कल्कि जी

—श्री शोभित गुप्त (9810000429)

मैं श्री सुभाष चन्द्र गुप्त का सुपुत्र हूँ जो श्री कल्कि जी को बचपन से जानते मानते हैं। उन्हीं की तरह जरा मेरी भी

विचारधारा है। सो मेरे आराध्य भी श्री कल्कि भगवान हैं। मैं कल्कि जी के स्वप्न अनुभव लीला, उससे जुड़ी प्रार्थना एवं उपचारों में पूर्ण विश्वास रखता हूँ। भगवान श्री कल्कि की कृपा से मेरा जीवन सुचारू रूप से चल रहा है। कल्कि जी भगवान से यही प्रार्थना है कि अपनी कृपा मुझ पर व मेरे परिवार हमेशा बनाए रखें। जैसे श्री कल्कि जी ने **मिर्जापुर में विंध्यवासिनी मां के प्रांगण में अपनी मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की पूजा में मुझे सम्मलित किया** वैसे ही अपने विभिन्न कार्य मुझसे कराते रहें ताकि मेरे जीवन में स्थाई रूप से हमेशा सुख समृद्धि एवं शांति बनी रहे।

मारकेश की कठोर महादशा से सरलता से निकल गए

—सुश्री रीता गुप्त (9818821000)

मैं बी.ए. पढ़ी हुई हूँ और बहुत ही सम्पन्न घर में मेरा लालन पालन हुआ। शादी के बाद जब मैं अपने सुसराल आई तो मैंने यहाँ कल्कि जी का नाम सुना। भगवान मानकर

मैं कल्कि जी को प्रणाम तो जरूर करती थी पर कल्कि जी के स्वप्नानुभव, हवन, नमस्कार, पूजा, प्रार्थना के प्रति कोई भाव नहीं जुड़ता था। मैं यह मानती थी कि किस्मत में जो भी लिखा है वह **होना तो अटल है** फिर इन सब धर्म की नई नई पद्धतियों से (स्वप्न अनुभव उपचारों से) क्या हो सकता है।

लेकिन अब मेरी आत्मा से यह निकलता है कि आज के युग के अवतार भगवान श्री कल्कि इतने दयालु हैं कि यदि किसी ने कभी भूल से भी उनका काम कर दिया या श्रद्धा से नाम लिया है तो वे जीवन में आने वाली बड़ी परेशानी से निकलने का रास्ता अवश्य देते हैं। यदि व्यक्ति उनकी आराधना करते हुए सही तरीके से स्वप्न अनुभव में बताए मात्र रास्ते पर चल पड़े तो वह परेशानियों से अवश्य निकलेगा।

पिछले 2-3 वर्षों से मैं भगवान श्री कल्कि से पूर्ण तरीके से जुड़ गई हूँ। मेरे पति (डॉ० वेद प्रकाश गुप्त) को 3 वर्ष पहले स्वास्थ्य संबंधी कुछ विकट समस्याएं आईं थीं। अचम्भित करने वाली बात यह है कि उसी दौरान डॉ० साहब एवं मेरी भतीजी (सुश्री रश्मि गुप्त) को उनके लिये बहुत बुरे बुरे स्वप्न अनुभव आ रहे थे। उस समय मैं काफी घबरा गई थी। उसी दौरान मुझे मेरे जेठ (मामाजी) एवं सुश्री इंदु बंसल (दिल्ली में ब्याही कोलकाता के राजघराने की बेटी) से कल्कि जी का गूड़ सत्संग मिला। उस सत्संग से मेरा कल्कि जी में विश्वास बढ़ा, मेरी आत्मा में कल्कि नाम गूंजने लगा।

मैं कल्कि जी को मन से पुकारने लगी एवं बताए गए उपचार पूर्ण श्रद्धा और विश्वास से करने लगी। तब मुझे डॉक्टर साहब के लिये अच्छे अनुभव आने लगे एवं बीमारियों से निकलने का रास्ता मिला। असाध्य रोग खत्म हुआ। कितने चमत्कार की बात है इस दौरान जब हमने डॉक्टर साहब की पत्री एक विद्वान पंडित को दिखाई तो उसने भी बताया कि इन पर तो **मार्केश की कठोर महा दशा चल रही है** अब यह कैसे हैं!

मेरी भतीजी रश्मि ने मुझे मार्केश की महा दशा टालने का कल्कि भगवान द्वारा बताया उपचार (महादेव का मृत्युंजय महामंत्र के जाप से अभिषेक आदि) बताया। यह मेरे लिये शुरु में कठिन था पर कल्कि जी की कृपा से सहज होता चला गया। पति के स्वास्थ्य की तरफ से जो चिंता थी, खत्म हुई। साथ ही काफी समय से घर में जो परेशानियाँ चल रहीं थीं वे भी स्वतः काफी कम हो गईं।

कहने का तात्पर्य यह है कि आज मेरे कल्कि जी की शरण में आकर मैं बेहद फायदे ही फायदे में हूँ। उनके चमत्कार तो अलग ही हैं। अपने दर्शन भी देते हैं और जो भक्त उनके पास जाने से कतराता है उसे अपने दर्शनों के लिये बुला भी लेते हैं। मैं अपने कल्कि प्रभु का जितना भी आभार प्रगट करूं वह कम है।

स्वप्नानुभवों में मिले निर्देशों का आप भी फायदा उठाएंगे तो हमें बहुत ही खुशी होगी

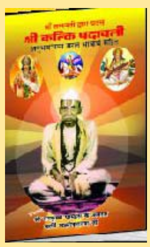

बीमारी के लिए 2-इन-1 में से भजन नं. 2 भावार्थ सहित पढ़ें।

भय-डर-हौल होने पर भजन नं.-23 भावार्थ सहित पढ़ें।

मात्र 2 हफ्ते में कितना फर्क पड़ता है और क्या क्या स्वप्नानुभव आते हैं हमें इस नं. पर बताए

— मामाजी (9818416191)

आधुनिक युग में शास्त्रोक्त, आध्यात्मिक व सांसारिक सुखों के लिए रामबाण

इलैक्ट्रिक हवन कुंड

वर्तमान समय में भागदौड़ भरी जिंदगी में नियमित हवन करने हेतु प्रस्तुत है यह इलैक्ट्रिक हवन कुंड। वेदों और पुराणों के आधार पर बने इस उपकरण में तीन वेदियाँ हैं जो ईश्वर के ब्रह्मा, विष्णु महेश स्वरूपों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसकी सतह का निर्माण मूर्ति बनाने वाली नर्मदा की मिट्टी से किया गया है। इसे घर, ऑफिस, दुकान या कहीं भी उपयोग में लाया जा सकता है। केवल स्वीच ऑन कीजिए और प्लेट गरम होने पर हवन सामग्री को मंत्रोच्चारण के साथ डालना शुरू कीजिए।

ध्यान रखने योग्य:-

1. हवन कुंड सावधानी से प्रयोग करें जिससे इसकी सतह चटके नहीं।

2. उपयोग की जाने वाली हवन सामग्री को बारीक करने से खुशबू महसूस करेंगे और वातावरण सुगंधित होगा।

3. इस सात्विक हवन कुंड का दुरूपयोग न करें।

4. थोड़ी थोड़ी मात्रा में हवन सामग्री का प्रयोग करें। इससे वातावरण पवित्र व सुगंधित होगा।

5. हवन कुंड को घिसकर साफ न करें।

6. हवन कुंड को पानी के संपर्क में न लाएं इससे करंट लग सकता है।

7. 30 मिनट तक लगातार हवन करने के बाद 10 मिनट का अल्प विराम अवश्य दें जिससे हवन कुंड ठंडा हो सके।

8. हवन सामग्री में ही थोड़ी मात्रा में घी* मिला लें। घी अलग से या ऊपर से न डालें।

9. हवन कुंड की प्लेट अग्नि की तरह कार्य करती है, हवन करते समय अपने मंदिर में अथवा ध्यान में जोत जगा कर अग्नि देव, व वायु देव का आवाहन कर सकते हैं।

10. यज्ञ के देवताओं की शुरू की 7 आहुतियाँ देने के लिए हर आहूति के बाद जल की एक कटोरी पास में रखकर उंगली को छुआ सकते हैं।

अद्भुत फायदे:- नवग्रह शांति, नजर दोष से सुरक्षा, कामना पूर्ति में सहायक, तनाव निरोधक, प्रदूषण रहित, सुगंधित वातावरण, अन्त:करण की शुद्धि में सहायक।

देश गुलाम क्यों बनता है?

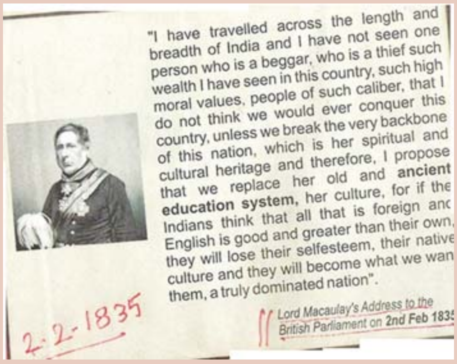

"I have travelled across the length and breadth of India and I have not seen one person who is a beggar, who is a thief such wealth I have seen in this country, such high moral values, people of such caliber, that I do not think we would ever conquer this country, unless we break the very backbone of this nation, which is her spiritual and cultural heritage and therefore, I propose that we replace her old and **ancient education system,** her culture, for if the Indians think that all that is foreign and English is good and greater than their own, they will lose their selfesteem, their native culture and they will become what we wan[t] them, a truly dominated nation".

Lord Macaulay's Address to the British Parliament on 2nd Feb 1835

2-2-1835

गूगल से ली गई प्रतिलिपि जिसमें लॉर्ड मैकाले की स्टेटमेंट छपी है

मैं भारत में काफी घूमा हूँ। दाएं, बाएं, इधर-उधर मैंने यह देश छान मारा और यहाँ मुझे एक भी भिखारी, एक भी चोर देखने को नहीं मिला।

यह देश इतना समृद्ध है और इसके नैतिक मूल्य इतने उच्च हैं और यहाँ के लोग इतनी सक्षमता और योग्यता लिए हुए हैं कि हम यह देश कभी जीत सकते हैं यह मुझे नहीं लगा।

इस देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा इस देश की रीढ़ है और हमें यदि यह देश जीतना है तो इसे तोड़ना ही पड़ेगा। उसके लिए इस देश की प्रार्थना, शिक्षा पद्धति और संस्कृति बदलनी ही पड़ेगी। भारतीय लोग यदि यह मानने लगें कि विदेशी (विशेषत: अंग्रेजों) जो हैं श्रेष्ठ हैं अपनी स्वयं की संस्कृति से भी ऊंची है तो वे अपना आत्मसम्मान गंवा बैंठेंगे और फिर वे वही बनेंगे जो हम चाहते हैं —एक गुलाम देश

2 फरवरी 1835 को ब्रिटेन की पार्लियामेंट में दिए गए लार्ड मैकाले के भाषण के कुछ अंश आभार : भारत स्वाभिमान ट्रस्ट फेस बुक

पितृ पक्ष पर विशेष

भगवान श्री कल्कि ने अनेक अनुभवों में बताया कि आज हम बहुत ज्यादा दुखी अपने पितरों से हैं, जिसे विद्वान ब्राह्मण पितृदोष बताकर उसका उपचार करने को कहते हैं। भगवान श्री कल्कि ने विभिन्न स्वपनानुभवों में भी भक्तों को परेशानियाँ दिखाकर, पितृदोष दूर करने के उपचार भी बताए। उन उपचारों को करने के बाद स्वप्न दृष्टा ने अपने को विपत्तियों के जंजाल से निकलते हुए पाया और आज भी निकल रहे हैं।

1. पितृ (मायके अथवा और जाति के) दिखाई देने पर क्या करें?

पितृ अपना हो या कोई और वंश (जाति)का, उसका सीधा निकाल कर स्वधा महारानी जी से प्रार्थना करें, हे स्वधा महारानी जी यह सीधा हाथ लगा रहे हैं, इसके द्वारा (पितृ का नाम) को जो भाग चाहिए उन्हें दे दें। मेरे परिवार को / व्यापार का अनिष्ट होने से बचाइए और जो वृद्धि, अच्छाई होनी है करवा दीजिए। हमें कल्कि जी का सुखीभाव से वैभवतापूर्वक काम करना है।

2. जब पितृ नरक में पड़े हों, बनते काम बिगड़ रहे हों, रूकावटें डाल रहें हों, अतृप्त रूहें घर में घूम रही हों ?

जैसे माँगने वाला भिखारी जात या व्यक्ति विशेष नहीं देखता, वो तो पैसे वालों के पास जाता है। इसी प्रकार अतृप्त, शैतान, अकाल, मृत्युग्रस्त शक्तियाँ जहां तेजवान भक्त रहते हैं, उन्हीं के पास आती हैं, और रूकावटें पैदा करती हैं। यम के विधान से ये रूहें नरक में वास करती हैं, अथवा समय समय पर आकर बोलती हैं, चलती फिरती दिखाई देती हैं, चलने में अगर आप उनका पीछा करेंगे तो कुछ दूरी पर जाकर पाएंगे कि वह एकदम गायब हो जाती हैं।

उपचार : यमुना महारानी यम की बहन हैं, यहाँ यमुना जी द्वारा यम की शक्तियों को नरक में पड़ी रूहों अथवा अतृप्त रूहों को यह सामान दिलवा दें।

2. **संकल्प**

1) हे यमुना महारानी, मैं 4 वस्त्र (मर्दाने/जनाने), सतिया करके मोली/कलावे के सात लपेटे बांधकर 1 गट/गोला, काली धूप, मौली का एक गोला और 5 रुपये संकल्प करके आपको अर्पण कर रहा हूँ इसे स्वीकार करें। अपने भाई यमराज से कहकर यम की मारक शक्तियों को उनका भाग दें, उन्हें तृप्त और संतुष्ट करें, उनसे हर प्रकार से मेरी रक्षा करें, मुझे जीवन दान दें। मुझे नहीं मरना। मुझे स्वस्थ शरीर से सुख, शांति, वैभवपूर्वक अनेक वर्षों तक जीवित रहते हुए अपने परिवार के सदस्यों के साथ कल्कि जी की प्रसन्नता का कार्य करना है।

अनुभव :

क) यदि अनुभव में अपनी मृत्यु दिखाई दे तो ऊपर लिखा हुआ संकल्प किया जाता है।

ख) यदि अनुभव में गोली लगी हुई दिखाई दे, तो जितनी गोलियों के घाव होंगे उतने केवल 5 रुपयों के सिक्के का संकल्प प्रार्थना के साथ जाएगा।

2) यदि मृत्यु का अनुभव बार-बार आए, तबाही और बर्बादी भी दिखाई दे, नरक की अतृप्त प्रेत और पितृ शक्तियाँ दिखाई दें तो ऊपर लिखे संकल्प के साथ 1 सीधा, पानी की बोतल और 5 रुपये का भी संकल्प नीचे लिखी प्रार्थना के साथ जाता है—हे यमुना महारानी.........मैं 4 वस्त्र (मर्दाने/जनाने), सतिया करके मोली/कलावे के सात लपेटे बांधकर 1 गट/गोला, काली धूप, मौली का एक गोला, 5 रुपये और 1 सीधा (आटा, दाल, चावल, चीनी, नमक, पानी की बोतल (घर से भरकर)) संकल्प करके आपको अर्पण कर रहा/रही हूँ, इसे स्वीकार करें। नरक में पड़ी, मुझे, मेरे परिवार को दुख देने वाली अतृप्त, कुटिल, शैतानी शक्तियाँ, प्रेत शक्तियाँ, पितृ-पित्रियाँ, यम की मारक शक्तियों के साथ मिलकर मेरे प्राण लेने चाहती है, मेरे परिवार को तबाह और बर्बाद करना चाहती है, यमराज और देवी स्वधा के माध्यम से उन्हें उनका भाग दें, उन्हें तृप्त और संतुष्ट करें, उनके उचित लोकों में उन्हें भेजें, उनके हर प्रहार से मेरे प्राणों की और मेरे घर-परिवार की रक्षा करें, मुझे जीवन दान दें, सुख, सौभाग्य और पूर्ण आयु प्रदान करें। इसी स्वस्थ शरीर से सुख, शांति, वैभव और ऐश्वर्य पूर्वक रहते हुए मुझे अपने परिवार के सदस्यों के साथ कल्कि जी की प्रसन्नता का काम करना है, अपने नाती और पातों का विवाह देखना है।

3) हे यमुना महारानी, जो दैवीय शक्तियाँ कलियुग की कुटिल शक्तियों के चंगुल में फँसकर अंधे कुएं में कैद हैं, यमराज के माध्यम से कलियुग की उन दंडनीय शक्तियों को उनका भाग दिलवाकर, दैवीय शक्तियों को मुक्ति प्रदान करें और उन्हें हमारी रक्षा के लिये भेजें। मुझे कल्कि जी की प्रसन्नता का काम करना है।

नोट : यह 2 नं० वाली प्रार्थना के साथ की पूरक प्रार्थना है।

4) जब तक कोई सही आयु प्रदान का अनुभव नहीं आए, यमुना जी का 5 रुपये का रोज संकल्प चलता रहेगा।

3. जब पितृ बीमार दिखें ?

जब पितृ बीमार दिखें तो उन्हें तर्पण करें। एक माला जय श्री कल्कि जय माता की करके प्रार्थना करें कि हे कल्कि भगवान मेरे पितृ जो बीमार हैं, स्वधा महारानी द्वारा उन्हें शक्ति दिलवा कर स्वास्थय प्रदान करें।

ऐसा दो चार दिन करने के बाद जब पितृ स्वस्थ व प्रसन्न दिखाई दें तो माला बंद कर दें।

भगवान श्री कल्कि की रामलीला में सवारी 5 अक्टूबर से 15 अक्टूबर, 2013 तक
कृष्ण अवतार की माखन लीला कल्कि अवतार में बनी स्वप्न वाणी जागृत अनुभव लीला

भगवान श्री कल्कि की शोभायात्रा बड़ी रामलीला (आसफ अली रोड, रामलीला ग्राउन्ड) में 11 दिन होती है। इनके द्वारा बड़े पैमाने पर दोपहर व रात में (प्रतिदिन दो बार) सवारी दिल्ली के प्रमुख बाजारों से निकलती है एवं छोटी रामलीला (परेड ग्राउण्ड वाली) जिनमें आठ से दस लाख भक्त सपरिवार भगवान के विभिन्न सुंदर रूपों के दर्शन करते हैं। श्री कल्कि बाल वाटिका (रामलीला सवारी प्रभारी) श्री हितेश गुप्ता (सुपुत्र बैकुंठवासी श्री विनोद गुप्ता, हाथी दांतवाले) के तत्वाधान में प्रतिवर्ष की भाँति 5 अक्टूबर से 13 अक्टूबर, 2013 तक निकालने का प्रोग्राम है।

रथं कल्कि दृष्टवा पुनर्जन्म न विद्यते (रथ पर सवार भगवान कल्कि के दर्शन करने से पुनर्जन्म नहीं होता)

सुर वृन्द नमित पद कंज द्वन्द, दर्शन से कट रहे यम के फन्द

(भगवान श्री कल्कि के दोनों चरण कमल के समान हैं जिनको देवता भी प्रणाम करते हैं क्योंकि उनके दर्शन मात्र से यमराज के फन्दे कट जाते हैं।)

है कोटि जन्म अघराशि नाश, कर रहे अधि-हृदि तिमिर ह्रास

(भगवान श्री कल्कि की झांकी का दर्शन करोड़ों जन्म के इकट्ठे पापों को भस्म कर देता है तथा हृदय के अंधकार को दूर कर देताहै।)

इस शोभा यात्रा की व्यवस्था के लिए निम्नलिखित मदों में अनुमानित न्यौछावर—

1. बड़ी रामलीला शुल्क 5,100.00
2. छोटी रामलीला शुल्क 3,500.00
3. ट्रक-ट्राली किराया.................................. 25,000.00
4. बिजली का जनरेटर किराया....................................... 7,100.00
5. श्री कल्कि भगवान का साहित्य वितरण 6,900.00
6. दैनिक श्रमिक व अन्य खर्च प्रतिदिन 2,500.00
7. फूलों की झांकी प्रतिदिन 5,300.00
8. श्री कल्कि भगवान का प्रसाद वितरण प्रतिदिन 1,800.00
9. श्री कल्कि भगवान का श्रृंगार 12 दिन (आर्टिस्ट द्वारा मेकअप)................3,500.00

आपका सपरिवार भगवान का दर्शन हमारे लिए सहयोग से भी ज्यादा अमूल्य होगा।

आप अपना सहयोग उपरोक्त सत्कार्यों में किसी एक मद में पूरा या हिस्से में देना चाहें तो आपके नाम से अथवा गुप्त सहर्ष स्वीकार करके उसी मद में लगाया जाएगा। श्री कल्कि बाल वाटिका के परिवार वाले सदस्य एवम् बालक दस वर्ष से बड़े, झाँकी पर स्वरूपों में यदि भाग लेना चाहते हैं तो नि:संकोच श्री रोहित गुप्ता (सुपुत्र बैकुंठवासी श्री विनोद गुप्ता, हाथी दांतवाले) से संपर्क कर सकते हैं। आप अपना बहुमूल्य सहयोग रामलीला सवारी प्रभार समिति के किसी भी सदस्य को भेज सकते हैं या नीचे दिये फोन पर बता सकते हैं।

श्रीयोगेश गुप्ता 23973383 | **श्री हितेश गुप्ता (सुपुत्र बैकुंठवासी श्री विनोद गुप्ता, हाथी दांतवाले)** 9899499848 | **श्री आदर्श सिंघल** 9818525601

ग्रीन पार्क के ब्लाक के शिवमंदिर में रविवार 8 सितंबर 2013 को श्री कल्कि बाल वाटिका का शुभारंभ

ग्रीन पार्क बाल वाटिका में कुंडीय यज्ञ

ग्रीन पार्क बाल वाटिका में प्रत्येक बच्चे को अलग पूजा के सामान के साथ हवन कुंड दिया जाएगा जिसमें उनके साथ उनकी माता, भाई-बहिन भी सम्मिलित होंगे। यह हवन कुंड सुश्री राज गोयल, सुश्री रेनू बंसल, सुश्री कनिका मोदी, सुश्री पूर्णिमा अग्रवाल, सुश्री इंदू बंसल द्वारा बच्चों को हवन का महत्व बताते हुए कराया जाएगा।

चांदनी चौक में श्री कल्कि बाल वाटिका

रविवार : 22 सितंबर 2013

हवन : प्रात: 11 बजे

महामंत्र मुकाबला : 12 बजे से 1 बजे

भंडारा : दोपहर 1 बजे से 2 बजे

खेल-खेल में संस्कार रोपण कार्यशाला: 2 बजे से 4:40 बजे तक

आरती : सायं 5 बजे

सत्संगमयी अनुभव गोष्ठी

दिनांक : शनिवार 7 सितंबर 2013 एवं 5 अक्टूबर 2013
स्थान : एम.के. हाउस, सी-2/8 अशोक विहार फेज-2 दीप सिनेमा के सामने, नई दिल्ली-52
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री राकेश गोयल, सुश्री सुषमा गोयल (9899698240)
संचालिका- सुश्री इंदू बंसल (011-32448401)

दिनांक : शनिवार 14 सितंबर 2013 एवं 12 अक्टूबर 2013
स्थान : जी-3 थर्ड फ्लोर,मित्रद्वीप अपार्टमेंट* पटपड़गंज दिल्ली-92
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री सुनील गर्ग, सुश्री संगीता गर्ग (9873349478)
संचालिका- सुश्री मेघना गोयल (913677829)

साढ़े पांच फुट की मूर्ति की कमी को दिखलाते हुए मामाजी— कारीगर को सैम्पल की मूर्ति में बनाए भगवान के हाथ की रेशो समझाते हुए।

अग्रोहा में भगवान श्री कल्कि को सहपरिवार प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में कल्कि जी की चौकी पर श्री कल्कि बाल वाटिका सिरसा से गुजरात में बनी जज, कुमारी नेहा जिंदल (09215225823) व उसकी सखी खुशबू तिवारी* डांडिया नृत्य करते हुए। 21 अगस्त को कुमारी नेहा जिंदल को गुजरात में पोस्टिंग का पत्र मिला और वह उसी दिन चली गईं।

* खुशबू शर्मा (09315888357) इन्होंने भगवान श्री कल्कि का नाम जाप पूजा करनी शुरू की तो इससे इनका व्यापार ऊंचाइयों पर पहुंचा लेकिन व्यापार बढ़ने पर धीरे धीरे इन्होंने श्री कल्कि जी का नाम लेना छोड़ दिया फलस्वरूप व्यापार भी धीरे धीरे बैठना शुरू हो गया। इन्होंने मामाजी से पूछा कि क्या मुझे दुबारा कल्कि जी की पूजा शुरू करनी चाहिए? इस पर मामाजी ने समझाया यह भगवान अदले का बदला वाले हैं क्योंकि इन्हें अचानक ही भूमि का भार उतारने आना पड़ा है। (पतीली के एक चावल की तरह) इस कन्या का कार्य करने का जज्बा झांसी की रानी जैसा है।

3000 किलो के पत्थर पर कैसे 11 हफ्तों में महालक्ष्मी जी की कृपा से जुलाई के महीने में भीषण गर्मी में बिना पानी के जहाँ कूलर की हवा भी आग बरसा रही थी वहीं श्री अनुज रस्तोगी, श्री रोहित गुप्ता के अथक प्रयास से कैसे कल्कि जी की मूर्ति को स्वरूप दिलवाया और उसमें बहूमूल्य स्टोनस जड़वाए कि अग्रोहा में कल्कि समाज को कहना पड़ा कि कल्कि भगवान को पोशाक क्यों पहनाते हो वह तो वैसे ही अति सुंदर लग रहे हैं। टीम के साथ मामाजी हर्षोल्लास मनाते हुए।

जन्माष्टमी पर इस बार कुंडेवालान से अबकी बार श्री रोहित गुप्ता अपनी टीम सहित चूड़ी वालान को कल्कि नाम से गुंजायमान करते हुए।

कठिनाइयों दुखों का इतिहास ही सुयश है

जन्माष्टमी पर आज से 8 वर्ष पूर्व जब ऐसोसिएशन में पुलिस से टक्कर लेते हुए मैं घर लौटा तो मेरी पत्नी की तरह मेरी बेटी नलिनी हमदर्दी तो दूर उल्लास से बोली कि जो इन परेशानियों से जूझते हैं वही तो आगे बढ़ पाते हैं — मामाजी

क्या आप जानते हैं?

शुरू के वर्षों में रुपया कमाना मुश्किल कार्य होता है, फिर तो वह स्वत: थोड़े से प्रयास व दिमाग से आता है। ऐसे ही पहले बड़े संघर्ष से शक्तियों से थोड़ी-थोड़ी विजय मिलती है। अब तो शक्तियाँ अदले का बदला (Tit for tat) के सिद्धांत पर हमें मदद देने को उतावली हैं। ऐसे में हम सब मिलकर क्यों न उनका दोहन (प्रयोग) करके प्रभु श्री कल्कि को प्रगट करें।

प्रस्तुत है बेहतरीन बंधनवार जिसमें तोते के साथ हनुमान जी, माँ दुर्गा व भगवान कल्कि के मैटल के चित्र भी लगे हैं। इनकी कीमत मात्र 80 रुपए एवं कल्कि जी के बैच का मूल्य 20 रु है। बन पड़े तो घर के दरवाजों पर लगाकर इस बंधनवार का शास्त्रोक्त (भाई के घर मुहूर्त पर बहन द्वारा तोते का टांगना अति शुभदायी माना गया है) लाभ उठाएं। एवं बैच का महत्व तो आप जानते ही हैं।

Registered with the Registrar of Newspaper for India Under No. Delhi-N/2005/15596 Postal D. No. DL(DG)-11/8061/2012-2014

ग्यारहवें (11) महीने में देखें कल्कि म्यूजियम की अदभुत छवि

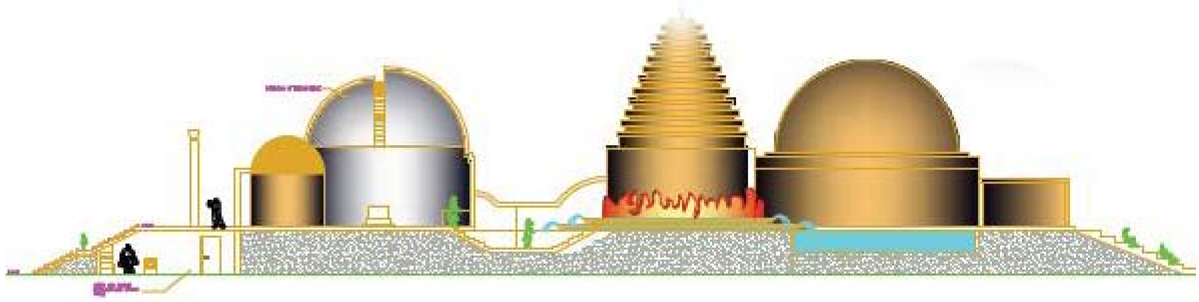

कल्कि संग्रहालय के लिये आर्किटेक्ट श्री राजीव गोयल द्वारा प्रस्तुत की गई एक छवि

भगवान श्री कल्कि के प्रचार के लिए मंदिरों में रुपए चढ़ाने की बजाए कल्कि जी का साहित्य 1 रुपए या 5 रुपए का सिक्का रखकर चढ़ाएं

श्री कल्कि बाल वाटिका

चाँदनी चौक ❖ कसेरू वालान, पहाड़गंज ❖ पालनपुर ❖ देहरादून ❖ असरोही ❖ कोलकाता ❖ चेन्नई

1903/3, पहली मंजिल, चाँदनी चौक, दिल्ली-110006 सम्पर्क : 23886646, 23866661

हाउस नं. 4116, कसेरू वालान, पहाड़गंज, नई दिल्ली-55, सम्पर्क : 23587079

सी 0-2/16, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110035

कॉलेज कम्पाउन्ड, गीता सोसाईटी, पालनपुर : 385001, गुजरात, सम्पर्क : 02742-258068, 09824968440

जी 97, नेहरु कालोनी, देहरादून (उत्तरांचल), सम्पर्क : 0135-2671643, 09837343560

2 नम्बर, हाईट रोड, लिलुआ, हावड़ा-711204 (कोलकाता)

आभार/Ack. : श्री कल्कि पुराण, ऋग वेद, ऋषि प्रसाद, स्वामी राम सुखदास, नवभारत टाइम्स

योगेश प्रकाश गुप्ता, दिल्ली द्वारा प्रकाशित व अन्य बालकों के ज्ञानवर्धन हेतु

Regd. Office : 1903, 1st Floor, Chandni Chowk, Delhi-6, Tel.: 23973383

श्री कल्कि बाल वाटिका मासिक पत्रिका

के सदस्य बनने हेतु सम्पर्क करें—

☎9312533445, 9968066625, 9968314876

वार्षिक सदस्यता शुल्क : 120/- रुपए मात्र

न करने का न करवाने का झंझट बस फोन करते रहें जब तक काम पूरा न हो

मंदिरों में भगवान श्री कल्कि जी की मूर्ति, पोशाक, लाईट प्रभारी : हर्षित गुप्ता, अंकित गड़ौदिया, अक्षय गड़ौदिया-9999885277

Regd. Office : 1903, 1st Floor, Chandni Chowk, Delhi-6, Tel.: 23973383